

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016

# पाठ्यचर्या में व्याप्त भाषा

डॉ० राम सरदार

एसोसिएट प्रोफेसर, शिक्षक-शिक्षा विभाग, का. सु. साकेत स्नातकोत्तर महाविद्यालय अयोध्या (उ.प्र.)

### सार

भाषा सीखने के लिए पाठ्यक्रम में भाषा एक आधुनिक दृष्टिकोण है। एलएसी दृष्टिकोण के अनुसार, भाषा सीखना पूरे स्कूल के घंटों में होना चाहिए

1. भाषा कक्षा
2. साथ ही एक अन्य विषय कक्षा।

इसका उद्देश्य पाठ्यक्रम में विदेशी भाषा को शामिल करना है। इस तरह छात्र विदेशी भाषाओं के पाठ्यक्रमों से परे दूसरी भाषा के अपने ज्ञान का विस्तार कर सकते हैं। वे उन कौशलों को पाठ्यक्रम सामग्री, अनुसंधान और परियोजनाओं में लागू कर सकते हैं। अन्य भाषाओं में प्रामाणिक पाठ्यक्रम-प्रासंगिक स्रोत सामग्री का समावेश छात्रों को वैश्विक समाज की क्रॉस-सांस्कृतिक और बहुभाषी मांगों के लिए तैयार करता है। एलएसी दृष्टिकोण एक ऐसी चीज है जिसके बारे में हम अक्सर पढ़ते हैं और इसकी सराहना करते हैं। एलएसी दृष्टिकोण का कक्षा में शायद ही अभ्यास किया जाता है।

पाठ्यचर्या उपागम में भाषा की आवश्यकता है क्योंकि भाषा विभिन्न अर्थों के माध्यम से सर्वोत्तम रूप से प्राप्त की जाती है, सभी विषयों में सामग्री बनाना और सीखना भाषा पर निर्भर है। सामग्री और भाषा दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं। शिक्षार्थी चाहे जिस विषय का अध्ययन कर रहे हों, शिक्षार्थी भाषा के माध्यम से नई अवधारणाओं को आत्मसात करते हैं। जब छात्र गैर-भाषा कक्षा में सुनते और बोलते, पढ़ते और लिखते हैं, तो वे भाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए, गैर-भाषाई क्षेत्रों में अपनी अवधारणाओं को बढ़ाते हुए, वे अपने भाषाई कौशल को भी बढ़ाते हैं। इसलिए, शिक्षा के क्षेत्र में हमें एक व्यापक परिप्रेक्ष्य की आवश्यकता है जो भाषा और सामग्री सीखने को एकीकृत करता है।

### परिचय

पाठ्यचर्या उपागम में भाषा के लाभ:-



### (ए) छात्रों के लिए

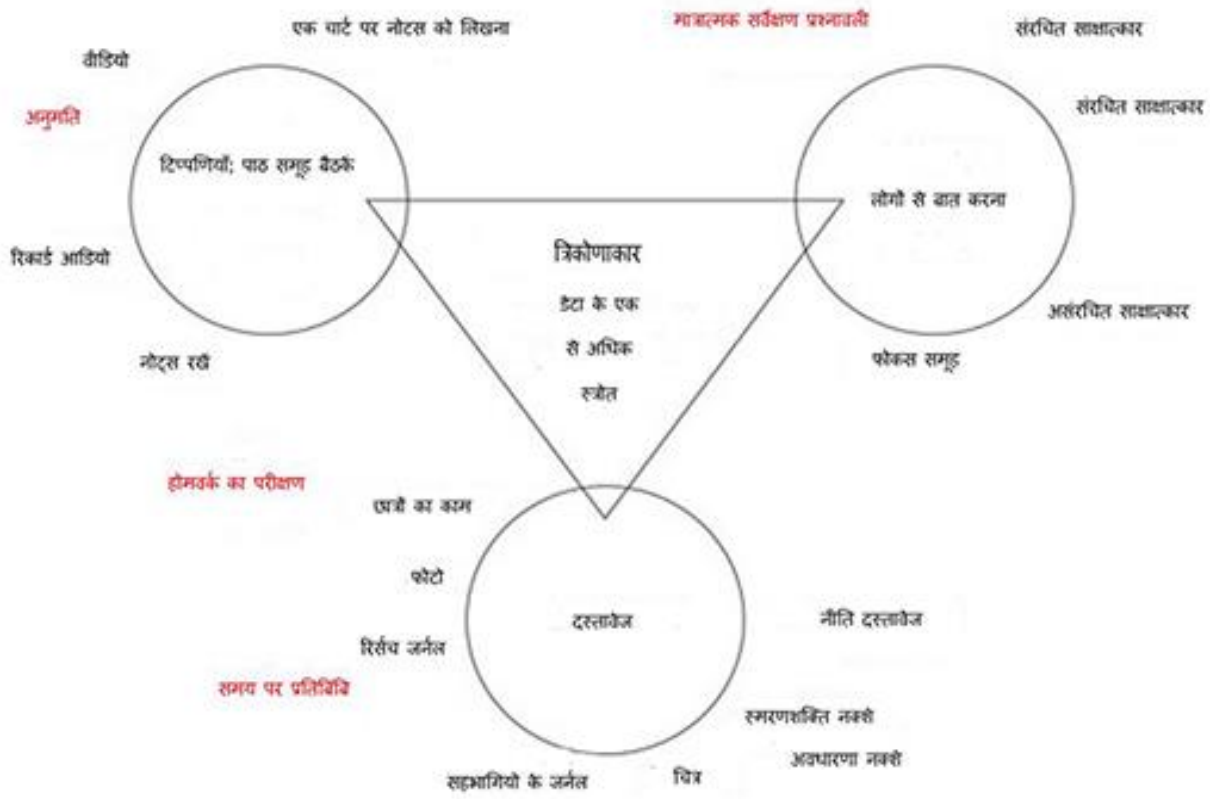
1. यह शिक्षार्थियों को एक विदेशी भाषा में अपने संचार कौशल में सुधार करने में मदद करता है।
2. यह छात्रों को सामग्री को और अधिक सीखने में मदद करता है।
3. यह शिक्षार्थियों को अपने विचारों का विस्तार करने में मदद करता है।

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016

4. यह शिक्षार्थियों को एक विदेशी भाषा में विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करने में मदद करता है।
5. यह शिक्षार्थियों को विभिन्न विषयों से संबंधित विभिन्न तकनीकी शब्दों को एकत्र करने में मदद करता है।
6. यह छात्रों के सामने एक विशाल करियर की दुनिया खोलता है।
7. यह छात्रों को विदेशी विश्वविद्यालयों में प्रवेश दिलाने में मदद करता है।
8. यह प्रभावी स्व-अध्ययन और संदर्भ की सुविधा प्रदान करता है।[1]



### (बी) शिक्षकों के लिए

1. सभी शिक्षक विदेशी भाषा में अपने कौशल में सुधार कर सकते हैं।
2. यह शिक्षकों को विदेशी भाषा में सामग्री पढ़ाने में मदद करता है।
3. यह शिक्षकों को अपने ज्ञान को अद्यतन करने में मदद करता है।
4. यह शिक्षकों को विदेशी भाषा में छात्रों को स्पष्ट निर्देश देने में मदद करता है।

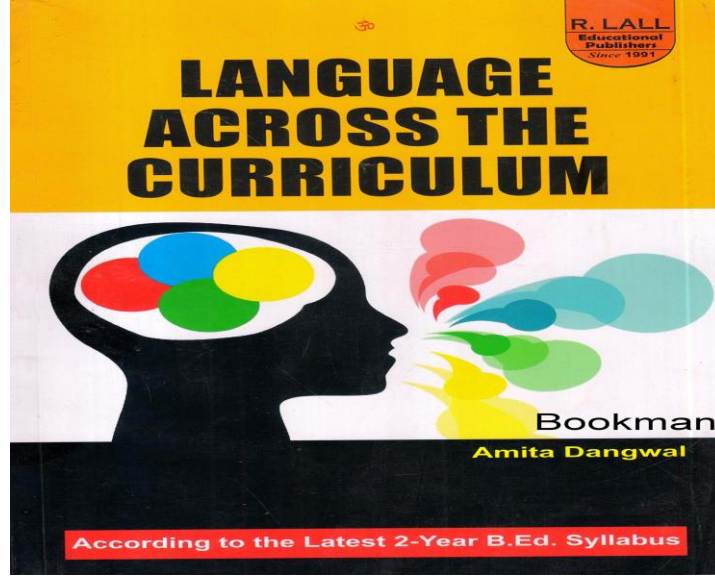
भाषा कौशल महत्वपूर्ण हैं, भले ही छात्र विज्ञान और गणित आदि जैसे विषयों का अध्ययन कर रहा हो। इन विषयों में छात्रों को पढ़ने, लिखने और दक्षता और कौशल को प्रतिबिम्बित करने की आवश्यकता होती है जो कि सक्षम भाषा कौशल के माध्यम से ही संभव है। कभी-कभी गणित में किसी शब्द समस्या को हल करने में कठिनाई भाषा को समझने में होती है। शिक्षकों को पाठ्यक्रम के सभी क्षेत्रों में छात्रों को पढ़ने, लिखने और बोलने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। भाषा सीखने के सभी क्षेत्रों में स्वाभाविक रूप से मौजूद है। भाषा कौशल विकसित करने के लिए शिक्षकों को पाठ्यक्रम द्वारा प्रदान किए जाने वाले सभी अवसरों का उपयोग करना चाहिए। अन्य भाषा कौशल जैसे पढ़ने, सुनने और बोलने पर बहुत अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है।

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016

### पाठ्यचर्या उपागम में भाषा के उद्देश्य



1. प्रत्येक बच्चे में भाषा के विकास का समर्थन करने के लिए।
  2. भाषा के उपयोग के सभी क्षेत्रों में भाषा के विकास का समर्थन करना।
  3. स्कूलों में प्रत्येक सीखने की गतिविधि में भाषा के विकास का समर्थन करने के लिए।
- स्कूल के सभी विषयों में भाषा के माध्यम से काफी हद तक ज्ञान और कौशल हासिल किया जाता है। किसी भी विषय की सीखने की प्रक्रिया के दौरान, शिक्षार्थी उस विषय को पढ़ते, लिखते, बोलते और सुनते हैं। प्रत्येक विषय शिक्षार्थी अध्ययन कर रहा है, अपने ज्ञान के क्षेत्र के लिए विशिष्ट अवधारणाओं को पेश करके शिक्षार्थी की समझ और सोच में योगदान देता है। विभिन्न विषयों में सीखने में सक्षम होने के लिए शिक्षार्थियों के लिए भाषा में महारत हासिल करना आवश्यक है। भाषा पर ध्यान ही शिक्षार्थियों को सीखने की नई संभावनाएं प्रदान करता है।
- पढ़ने और लिखने की रणनीतियाँ भी सीखने की रणनीतियाँ हैं। [2] लिखित और मौखिक परीक्षणों के माध्यम से LS और FL में विकसित कौशल पाठ्यक्रम के सभी सीखने पर सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। विभिन्न विषय शिक्षक विषय के विशिष्ट उद्देश्यों द्वारा परिभाषित सीमाओं के भीतर भाषा के विकास के लिए संयुक्त जिम्मेदारी ले सकते हैं। विभिन्न तरीकों से भाषा का उपयोग करने की क्षमता बढ़ाने वाली विभिन्न शिक्षण विधियों से सीखने की प्रक्रिया में भी वृद्धि होगी। तो एलएसी के मुख्य उद्देश्य हैं: -
- एलएसी की अवधारणा का दावा है कि भाषा और सीखना आपस में जुड़े हुए हैं। इसलिए, बच्चों की मौजूदा मानसिक और भाषाविज्ञान क्षमताओं को स्वीकार करने और विकसित करने के लिए, एलएसी सक्रिय और रचनात्मक सीखने पर ध्यान केंद्रित करता है।
- भाषा और सोच के बीच संबंध एलएसी के लिए केंद्रीय बन गया है, जो संज्ञानात्मक विज्ञान में निष्कर्षों द्वारा समर्थित है, लेकिन भाषा विज्ञान और भाषा शिक्षाशास्त्र में भी। अतः हम कह सकते हैं कि:-
- भाषा संचार कौशल से अधिक है।
  - भाषा सोचने की प्रक्रिया से जुड़ी होती है और उसमें प्रयोग की जाती है।
  - भाषा अवधारणा बनाने और सूचनाओं को जोड़ने का एक उपकरण है।
  - भाषा मानसिक गतिविधियों और अनुभूति में सटीकता का समर्थन करती है जो विषय-आधारित लेखन के लिए विशेष रूप से सच है।
  - भाषा संज्ञानात्मक रूप से मांग वाले कार्यों और उनके समाधानों के बीच सेतु बनाने में मदद करती है।
  - एलएसी युवा शिक्षार्थियों के लिए स्कूल और अकादमिक सेटिंग के भीतर अच्छी तरह से काम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016



### एलएसी दृष्टिकोण का महत्व

भाषा शिक्षार्थियों और शिक्षकों के बीच एक माध्यम के रूप में कार्य करती है। इसलिए, शिक्षा और पाठ्यक्रम में भाषा का महत्व बहुत महत्वपूर्ण है। भाषा सीखने का एक उपकरण है और समझने में सहायता करती है। छात्र बुनियादी सोच और संचार कौशल विकसित करते हैं जो उनके व्यक्तिगत विकास और भविष्य के कैरियर के लिए आवश्यक हैं।

### विचार - विमर्श

स्कूली बच्चे जाने से पहले ही वह अपनी मातृभाषा के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के साथ संवाद करना सीखता है। हालाँकि स्कूल में भाषा और शिक्षा का माध्यम औपचारिक होता है जो उसने अपने घर पर सीखी गई बातों से भिन्न हो सकता है। अब यहाँ यह उल्लेख करना आवश्यक है कि शिक्षा में प्रयुक्त भाषा का स्तर विद्यार्थियों के स्तर के स्तर से मेल खाना चाहिए। यदि यह बेमेल है, तो शिक्षक और शिक्षार्थी की ओर से किए गए प्रयास फलदायी नहीं होंगे।

### एलएसी दृष्टिकोण को लागू करने में कठिनाई

- पहली कठिनाई विषय शिक्षकों के रवैये के साथ आती है जो इस दृष्टिकोण का विरोध और विरोध करते हैं क्योंकि वे शीर्ष पर भाषा शिक्षक नहीं बनना चाहते हैं।
- एक और कठिनाई यह है कि अक्सर स्कूलों में प्रिंसिपल को छोड़कर इस तरह के क्रॉस-करिकुलर दृष्टिकोण के लिए कोई केंद्रीय रूप से जिम्मेदार नहीं होता है। यह संरचनात्मक कमजोरी अक्सर स्कूलों, कॉलेजों के साथ-साथ विश्वविद्यालयों में भी पाई जाती है।
- एलएसी को लागू करने के लिए इसमें शामिल शिक्षकों के दृष्टिकोण और मानसिकता में आमूल-चूल परिवर्तन की आवश्यकता है। शिक्षकों को स्कूल में पढ़ाने वाली विषय वस्तु में भाषा को एकीकृत करने के लिए प्रशिक्षित और तैयार किया जाना है।[3]

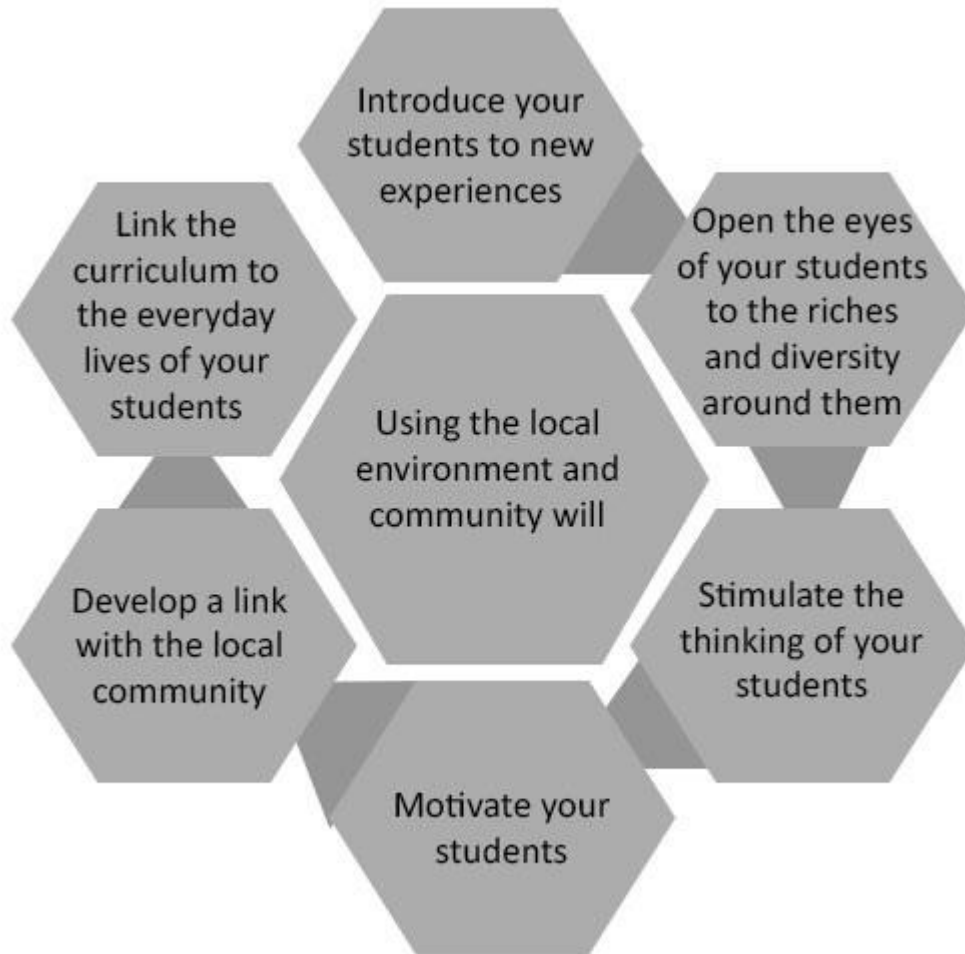
### भारतीय संविधान में भाषा का प्रावधान

हमारे देश में भाषाओं की विविधता है। स्वतंत्रता के बाद शिक्षा के माध्यम और अध्ययन के विषयों के रूप में मातृभाषाओं पर विशेष जोर दिया गया है। भारत के संविधान में यह निर्धारित किया गया है कि अपनी भाषा का अध्ययन नागरिकों का मौलिक अधिकार है।

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016



अनुच्छेद 26(1) कहता है, माध्यमिक शिक्षा आयोग, 1952-53 ने सिफारिश की कि मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा आम तौर पर माध्यमिक विद्यालय स्तर पर शिक्षा का माध्यम होनी चाहिए, बशर्ते कि भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए।

भारतीय संविधान हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में विकसित करने और बढ़ावा देने का प्रावधान करता है।

पूरे पाठ्यक्रम में भाषा का शिक्षण अंग्रेजी बोलने वाले देशों में व्यापक हो गया है जहां प्रवासियों और अंग्रेजी भाषा दक्षता के विभिन्न स्तरों के अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को मुख्यधारा के पाठ्यक्रम में तेजी से एकीकृत किया गया है। पिछले कुछ दशकों में, एकीकरण पर यह ध्यान यूरोप में सामग्री और भाषा एकीकृत शिक्षा (सीएलआईएल) के उदय में प्रतिबिंबित हुआ है, जहां लक्ष्य भाषा अक्सर अंग्रेजी होती है। इस अध्याय में, मैं अंग्रेजी बोलने वाले देशों में एक अतिरिक्त भाषा (ईएएल) और यूरोप में सीएलआईएल के संदर्भ में पाठ्यक्रम में भाषा (केएएल) के बारे में शिक्षकों के ज्ञान के मुद्दों का पता लगाऊंगा। संदर्भों के बीच कुछ समानताएँ हैं, साथ ही महत्वपूर्ण अंतर भी हैं, और दोनों पर भाषा के ज्ञान के संबंध में चर्चा की जाएगी। जिन मुद्दों को कवर किया जाएगा वे हैं: 1) स्थित, कार्यात्मक भाषा; 2) सामाजिक संपर्क के रूप में मंचान; 3) शिक्षक सहयोग; 4) भाषाई प्रदर्शनों की सूची और 5) शिक्षक शिक्षा। पूरे अध्याय में, मुख्यधारा की सेटिंग में ईएएल के संबंध में और यूरोप में सीएलआईएल मॉडल के संबंध में प्रत्येक मुद्दे के महत्व पर चर्चा की जाएगी जहां सीएलआईएल कक्षाओं को सामग्री-क्षेत्र के शिक्षकों द्वारा पढ़ाया जाता है और छात्र अंग्रेजी भाषा की कक्षाओं में भी भाग लेते हैं। वितनबर्ग पाठ्यचर्या कार्यक्रम (सीएलएसी) में एक विशिष्ट, राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016

संस्कृति और भाषा प्रदान करता है जो छात्रों को विभिन्न प्रकार के विषयों में अपने भाषा कौशल का उपयोग करने की अनुमति देता है।[4]

### परिणाम

इस अनूठे कार्यक्रम में, छात्र किसी अन्य विषय में एक पाठ्यक्रम के प्रोफेसर और भाषा विभाग के एक सदस्य के साथ काम करते हैं ताकि वे पाठ्यक्रम में जो सीख रहे हैं उससे सीधे संबंधित परियोजना को डिजाइन और पूरा कर सकें और भाषा में उनके कौशल स्तर के अनुरूप हों। सीएलएसी मॉड्यूल को लगभग किसी भी विषय में पाठ्यक्रमों से जोड़ा जा सकता है और इसमें इतिहास, गणित, राजनीति विज्ञान, समाजशास्त्र, दर्शन, धर्म, अर्थशास्त्र, मनोविज्ञान और अन्य पाठ्यक्रमों के लिए परियोजनाएं शामिल हैं।

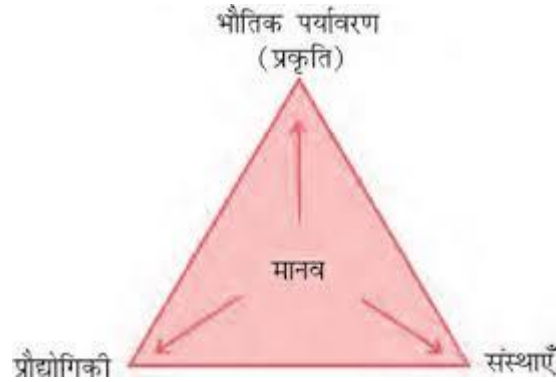


LAC छात्रों को किसी अन्य विषय के अपने अध्ययन को आगे बढ़ाने के लिए किसी अन्य भाषा के अपने ज्ञान का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है। कार्यक्रम उन्हें जो कुछ भी पढ़ रहे हैं उसके बारे में खोज करने और अन्य विषयों में सहपाठियों और संकाय के साथ लक्षित भाषा में अपने शोध से अंतर्दृष्टि साझा करने के लिए प्रोत्साहित करता है। सीएलएसी छात्रों को वास्तविक दुनिया की सेटिंग में अपने भाषा कौशल का उपयोग करने और उनकी रुचि के शैक्षणिक विषयों के साथ संस्कृति और भाषा के प्रतिच्छेदन में अंतर्दृष्टि प्राप्त करने का अवसर प्रदान करता है। LAC मॉड्यूल छात्रों के टेप पर सूचीबद्ध है और यह इंगित करता है कि कौन सा पाठ्यक्रम LAC अनुभव से जुड़ा था। छात्रों के टेप संभावित नियोक्ताओं या स्नातक स्कूलों को प्रदर्शित करते हैं कि उन्होंने एक अनुशासन में सार्थक कार्य में संलग्न होने के लिए विश्व भाषा के अपने ज्ञान का उपयोग किया है। सीएलएसी मॉड्यूल छात्रों को चीनी, फ्रेंच, जर्मन, जापानी, रूसी और स्पेनिश में अपने प्रमुख और नाबालिगों के लिए एक अतिरिक्त क्रेडिट अर्जित करने का अवसर प्रदान करते हैं, जब वे तीसरे सेमेस्टर भाषा पाठ्यक्रम में दाखिला लेते हैं या नामांकित होते हैं। सीएलएसी मॉड्यूल अंतरराष्ट्रीय अध्ययन प्रमुखों और नाबालिगों के लिए भाषा की आवश्यकता की ओर भी गिनती करते हैं।[5]

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016



अधिकांश विश्वविद्यालय के छात्रों में शैक्षणिक रुचि के अपने क्षेत्रों में विदेशी भाषा दक्षताओं को विकसित करने के लिए पाठ्यचर्या के अवसरों की कमी होती है। साथ ही, अंतर्राष्ट्रीय छात्रों को अपनी शिक्षा के दौरान अपने गैर-अंग्रेजी भाषा कौशल को नियोजित करने के अवसरों की कमी होती है। उच्च शिक्षा के तेजी से विविध छात्र निकाय में अप्रयुक्त क्षमता को स्वीकार करते हुए, एलएक्ससी ने 1991 में छात्रों के लिए, घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय दोनों, अपने गैर-अंग्रेजी भाषा कौशल और नए संदर्भों में बहुसांस्कृतिक पृष्ठभूमि का उपयोग करने के लिए शुरू किया। तब से, छात्रों ने एलएक्ससी समूहों का उपयोग पाठ्यक्रम सामग्री के अपने ज्ञान को गहरा और व्यापक बनाने के लिए किया है, शैक्षणिक रुचि के अपने क्षेत्रों में विदेशी भाषा और सांस्कृतिक दक्षताओं को विकसित करने के लिए, और एलएक्ससी और अपने स्वयं के पाठ्यक्रमों में विभिन्न परियोजनाओं के साथ उन दक्षताओं को प्रदर्शित करने के लिए।

### निष्कर्ष

बिंघमटन विश्वविद्यालय का छात्र निकाय तेजी से विविध है, जो संयुक्त राज्य की बदलती जनसांख्यिकी को दर्शाता है: आने वाले छात्रों के भारी बहुमत में बहुसांस्कृतिक और/या बहुभाषी पृष्ठभूमि है, और इसमें पहली, दूसरी और तीसरी पीढ़ी के अप्रवासी शामिल हैं। इसके अलावा, अधिकांश छात्रों को विश्वविद्यालय में नामांकन से पहले विश्व भाषा का ज्ञान है: कई विरासत वक्ता हैं और अधिकांश ने हाई स्कूल में भाषा की कक्षाएं ली हैं। हालांकि, इनमें से अधिकतर छात्रों को भाषा कक्षाओं के बाहर वास्तव में अपने कौशल का उपयोग करने का अवसर कभी नहीं मिला है [6]



LAC प्रथम वर्ष के छात्रों को विभिन्न प्रकार के लोकप्रिय 100-स्तरीय पाठ्यक्रमों से जुड़े पाठ्यक्रमों में अपने मौजूदा भाषा कौशल का उपयोग करने का अवसर प्रदान करता है (नोट: प्रत्येक LAC पाठ्यक्रम एक विशेष भाषा पर केंद्रित है)। LAC पाठ्यक्रमों में छात्रों को यह पता लगाने की स्वतंत्रता है कि वे अन्य भाषाओं, देशों और संस्कृतियों के साथ कैसे दिलचस्प संबंध पाते हैं। LAC छात्रों को एक पारंपरिक भाषा पाठ्यक्रम लेने या विदेश में अध्ययन कार्यक्रम में जाने के बिना उनके सीखने का "अंतर्राष्ट्रीयकरण" करने में सक्षम बनाता है।

## International Journal of Innovative Research in Science, Engineering and Technology

(An ISO 3297: 2007 Certified Organization)

Vol. 5, Issue 1, January 2016

LAC भाषा सिखाने का एक तरीका है जो अन्य सामग्री क्षेत्रों में संकाय के साथ काम करता है ताकि विशिष्ट शब्दावली और शैलियों की पहचान की जा सके जो छात्रों को अपने संबंधित विषयों में किसी अन्य भाषा में प्रभावी ढंग से कार्य करने के लिए आवश्यक है। एलएसी भाषा निर्देश के लिए सामग्री-आधारित दृष्टिकोण से भी आकर्षित होता है। यह दृष्टिकोण इस विचार के साथ बनाया गया है कि निर्देश जो उद्देश्यपूर्ण समझ और संचार उत्पादन पर जोर देता है, बेहतर ग्रहणशील और अभिव्यंजक शब्दावली, जटिलता और प्रवाह उत्पन्न करता है। एलएसी का उद्देश्य विभिन्न अर्थपूर्ण संदर्भों में भाषाओं के उपयोग को सुविधाजनक बनाना और छात्रों को विश्वविद्यालय के पाठ्यक्रम में प्रत्येक स्तर पर अपने बहुभाषी कौशल का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना और पुरस्कृत करना है। विशिष्ट खंड एलएसी की उत्पत्ति और उद्देश्यों को संबोधित करते हैं। [7]

### संदर्भ

- 1) भाषा विज्ञान - भोला नाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली, 1951
- 2) भाषा और समाज - रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली 2001
- 3) भाषा और समाज (गूगल पुस्तक ; लेखक - डॉ राम विलास शर्मा) 2011
- 4) भाषा का संसार (गूगल पुस्तक ; लेखक - प्रो° दिलीप सिंह) 2010
- 5) कोई भी भाषा कैसे सीखें ? 2008
- 6) World language Resources - All the resources for all languages) 2010
- 7) भारत भाषा नीति, एक नई सोच (संक्रान्त सानु) 2010